Volume-5, Issue-1, January -2016 • ISSN No 2277 - 8160

Research Paper History

Bharat Mein Paryatan Ki Sthiti Ayem Chikitsa Paryataki Sammanwayen

Hkkjr e i;Vu dh fLFkfr ,o fpfdRlk i;Vudh lEHkkouk;

Dr Shailendra Singh Tomar प्राध्यापक भूगोल शा0 महाविद्यालय, राघवगढ़, गुना

Dr Sadhna Toma विभागाध्यक्ष समाजषास्त्र शा0वी0आर0जी0 कॉलेज, मुरार, ग्वालियर,

KEYWORDS :

भारत में पर्यटन की अपार संभावनायें होते हुये भी विष्व पर्यटन बाजार में भारत का हिस्सा एक प्रतिषत से भी कम है । चीन का दावा है कि वहॉं प्रति वर्श 5 करोड़ विदेषी पर्यटक आते हैं। थायलैण्ड, सिंगापुर, इण्डोनेषिया जैसे छोटे देषों में प्रतिवर्श 50–50 लाख तक पर्यटक आते हैं। कई देषों की अर्थ व्यवस्था का मुख्य आधार पर्यटन ही है। इसका मुख्य कारण राजनैतिक इच्छा षक्ति, पर्याप्त आधारभूत सुविधायें, जैसे भोजन, परिवहन,बिजली, साफ–सफाइ मनोरजन, सुरक्षा आदि ये सुविधायें हमारे यहां अपर्याप्त एवं गुणवत्ताहीन है। परिणाम स्वरूप भारत में विदेषी पयर्टकों की स्थिति निम्न सारिणी से स्पश्ट हो रही है:–

Hkkjr e fons'kh i;Vdk dk vkxeu

(सन् 2001 – 20014 तक)

वर्ष	विदेषी पर्यटकों की संख्या ¼ मिलियन में)	वृध्दि
2001	2-54	& 4-2
2002	2-38	& 6-0
2003	2-73	14-3
2004	3-46	26-8
2005	3-92	13-3
2006	4-45	13-5
2007	5-08	14-3
2008	5-28	4-0
2009	5-17	-& 2-2
2010	5-78	11-08
2011	6-31	9-2
2012	6-58	5-4
2013	6-97	6-0
2014	7-68	10-0

स्रात – पर्यटन मंत्रालय की वार्शिक रिर्पोट

उपरोक्त सारिणी से स्पश्ट है कि भारत में विदेषी पर्यटकों की स्थिति संतोशजनक नहीं है। कुछ वर्शों में तो पर्यटकों की संख्या में वृद्धि के स्थान पर कमी देखी जा सकती है। भारत के सर्वाधिक आकृशिक पर्यटन स्थल ताजमहल में पिछले वर्शों में विदेषी पर्यटकों की संख्या में कमी देखी गई है। अत: अब हमें पर्यटकों की संख्या में वृध्दि हेतु अन्य क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित करना होगा। ''चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्रों में भी पर्याप्त संभावनायें हैं''

जब हम किसी चिकित्सा की कीमत में विभिन्न देषों के बीच बहुत अधिक अंतर होता है तो लोग कम कीमत पर बेहतर चिकित्सा के लिये यात्रा करते हैं। आज उपचार हेतु कई देषों के लोग भारत आते हैं,यद्यपि यह परम्परा प्राचीन काल से चली आ रही है। आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में भारत प्राचीन काल से बहुत समृध्द रहा है।

इस भौतिकवादी युग में मानव ने धन सम्पदा में तो काफी वृद्धि की है,किन्तु मानसिक रूप से वह अषांत हुआ है तथा विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति को भी बहुत हानि पहुॅंचाई है, परिणाम स्वरुप उसे दण्ड के रूप में अनेक रोग प्राप्त हुये हैं। मनुश्य प्रकृति से जितना दूर हुआ है उसे उतना ही मानसिक एवं षारीरिक कश्ट प्राप्त हुआ है। भारत में अनेक ऐसे स्थान हैं जहां पहुॅंचने पर प्रकृति के समीप पहुॅंचने का एहसास होता है और मानसिक षांति प्राप्त होती है। इसीलिये अनेक विदेषी एवं देषी पर्यटक भारत में इन स्थानों पर आते है। भारत में आयुर्वेदिति होमोपेथि प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग,ध्यान के अनेक केन्द्र हैं जहां अनेक असाध्य रोगों का उपचार होता है। एलोपेथी चिकित्सा के क्षेत्र में भी भारत में कम कीमत पर अच्छी चिकित्सा उपलब्ध है। अत: चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में भारत में असीम संभावनायें हैं ।

भारत में चिकित्सा पर्यटन की स्थिति:– वर्तमान में भारत में आज चिकित्सा हेतु आने वाले पर्यटकों की संख्या कम है। भारत आने वाले विदेषी र्प्यअकों का मात्र 2.7 प्रतिषत ही है। भारत में चिकित्सा हेतु आने वाले र्प्यअकों की स्थिति निम्न सारिणी से स्पश्ट हो रही है।

Hkkjr e fpfdRlk d fy; vkus oky fons'kh I;Vd
¼2010½

देष	la[;k
मालदीप	36694
बंगलादेष	35853
ईराक	6773
नाइजीरिया	6021
ओमान	5820
अफगानिस्तान	5211
श्रीलंका	5064
यू0ए0ई0	3184
तन्जानिया	1870
यू0एस0ए0	1863
मलेषिया	1721
यू0के0	1519
नेपाल	1357
कीनिया	1257
जर्मनी	1139
कनाडा	969
अन्य	38019

स्रोंत: पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार की रिर्पोट

भारत में चिकितसा पर्यटक सर्वाधिक मालद्वीप से 36694 आते हैं तत्पष्चात 35853 बंगलादेष से आते हैं, अन्य कई देषो से भी भारत में हजारों की संख्या में चिकित्सा पर्यटक आते है। |ह पर्यटक निम्नानुसार विभिन्न रोगो के उपचार के लिये आते हैं:–

रोगों के उपचार के लिये आने वाले पर्यटक: (2010)

रोग	संख्या ¼प्रतिषत में)
हृदय रोग	30 %
हड्डी एवं जोड़	15 %
नेफरोलॉजी	12 %
न्यूरो सर्जरी	11 %
केन्सर	11 %
कोस्मेटिक सर्जरी एवं अन्य	22 %

भारत में सर्वाधिक पर्यटक हृदय रोग से संबंधित बीमारी की चिकित्सा के लिये आते हैं, इसके अतिरिक्त हॉं एवं जोड़ ,लीवर, न्यूरो, केन्सर से संबगंधित अनेक बीमारियों के उपचार हेतु भी आते हैं।

चिकित्सा पर्यटन के विकास में समस्यायें :–

यद्यपि भारत में चिकित्सा पर्यटन की बहुत संभावनायें हैं फिर भी इसके विकास में अनेक समस्यायें हैं।

1– चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में सरकार का सहयोग संतोशजनक नहीं हे।
2– चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं में परस्पर सहयोग की कमी जैसे – चिकित्सालय, एयरलाइंस, होटल आदि
3– विदेषों में भारत की छवि अच्छी नहीं है विषेशकर स्वच्छता के लिये ।
4– भारत में हास्पीटलों में संतोशजनक स्तर एवं नियमों का अभाव है।
5– दवाओं एवं उपचार की कीमतों में एकरूपता का अभाव है।
6– भारत को थाइलैण्ड,सिंगापुर जैसे कई राश्ट्रों के साथ चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में कड़ी प्रतियोगिता का सामना करना पड़ रहा है।
7– चिकित्सा बीमा की कमी व विषेशकर अंतर्राश्टीय चिकित्सा बीमा के अभाव में चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में एक बड़ी समस्या है।
8– स्वास्थ्य के क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विकास में निवेषकों की रूचि न होने के कारण इस क्षेत्र में विकास कम होना ।
9– तुलनात्मक दृश्टि में भारत में पर्यटकों के लिये अच्छे होटलों की कमी है।

lq>ko %&

1– मेडीकल वीजा की सुविधाओं को आसान एवं द्रुतगामी बनाने की सुविधा होनी चाहिये।
2– सभी प्रकार की मेडीकल सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध होनी चाहिये।
3– एक ही स्थान पर ऐलोपेथी उपचार के साथ आयुर्वेदिक,प्राकृतिक चिकितसा के साथ साथ योग की भी सुविधा उपलब्ध होना चाहिये।
4– चिकित्सा बीमा की सुविधा बढ़ाई जानी चाहिये अन्तर्राश्ट्रीय चिकित्सा बीमा की सुविधा प्रारम्भ करनी चाहिये।
5– हॉस्पीटल यातायात एवं होटल से संबंधित ऐजेंसियों के मध्य समन्वय होना चा. हिये ताकि बाहर से आ रहे चिकित्सा पर्यटक को किसी प्रकार की असुविधा न हो।
6– अन्तर्राश्ट्रीय स्तर पर विदेषों में संचालित हॉस्पीटल के साथ समन्वय होना चा. हये ताकि वहां के हॉस्पीटल रोगियों को भारत में उपचार हेतु भेज सके।
7– हॉस्पीटलों का बैंकों के साथ टाइअप होना चाहिये ताकि विदेषी चिकित्सा पर्य. टकों को उपचार में हुये व्यय के भुगतान करने में समस्या न हो।
8– चिकित्सा पर्यटन को बढ़ाने के लिये राश्ट्रीय स्तर पर एक बोर्ड का गठन होना चाहिये ताकि उस बोर्ड की निगरानी में मेडीकल पर्यटन को बढ़ाया जा सके।
9– भारत में विभिन्न प्रकार की चिकित्सा पद्धतियों का प्रचार प्रसार अंतर्राश्ट्रीय स्तर पर होना चाहिये ताकि भारत में कम लागत पर उपचार की अच्छी सुविधाओं की जानकारी सभी देषों के व्यUिायों को हो सके।
10– भारत की खराब छवि को सुधारने के लिये विष्व स्तर पर प्रयास करने चाहिये।
11– चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में कार्य कर रही एजेंसियों को तथा इस क्षेत्र में निवेष करने वालों को आय कर में छूट देने का प्रावधान हो ताकि इस क्षेत्र में लोग आयें और निवेष भी करें
12– चिकित्सा पर्यटन क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विकास हेतु सरकार तथा अन्य ऐजेंसियों को प्रयास करना चाहिये।
13– उपचार से संबंधित सभी जानकारी नेट पर उपलब्ध होना चाहिये।
14– चिकित्सा पर्यटन के लिये डिस्काउंट पेकेज प्रारंभ करना चाहिये। उपचार के साथ साथ पर्यटन स्थलों पर धुमाने की सुविधा होना चाहिये।
15– चिकित्सा पर्यटकों के सदस्यता कार्ड बनाना चाहिये।

भारत में चिकित्सा पर्यटन के विकास की अपार संभावनायें है। आवष्यकता मात्र इच्छा षक्ति की है। चिकित्सा पर्यटन को बढ़ाकर भारत में पर्यटन को काफी हद तक बढ़ाया जा सकता है। इसके लिये भारत में उपलबगध सुविधाओं की जानकारी विष्व स्तर पर उपलब्ध करानी होगी। पर्यटक तो अपने आप ही भारत में आना प्रारंभ हो जायेंगे।

REFERENCES

1. तोमर डॉ अतीन्द्र सिंह, पारिस्थितिकी पर्यटन (भाग–2) राधा पब्लिकेषन, नई दिल्ली 2015 2. वार्षिक रिर्पोट 2011,2012,2013,2014, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार 3. वरे डॉ. एस. एल. मध्यप्रदेष में पर्यटन, प्रकाषन कैलाष पुस्तक सदन भोपाल (म.प्र.) 4. गुप्ता पापियादास, पर्यटन एक अध्ययन, भोपाल 2004 5. दीक्षित के.के.– पर्यटन के विविध आयामः तक्षषिला प्रकाषन, नई दिल्ली 6- Sharma Dr. Anupamama, Medical Tourism: Emerging challenges and future prospects, international journar of business and management invention volume – 2 Jan, 2013 7- Hitp://www docstos.com docs/1216363/ medical tourism. 8- Joshi, A and others (2010): Modern tourism in India: Rawat Publication Jaipur.